

## **Principles of LSLS Auditory-Verbal Therapy**

एल . एस. एल. एस. ऑडिटरी वर्बल थेरपी के सिद्धांत

या

श्रवण- मौखिक थेरपी के सिद्धांत

1. Promote early diagnosis of hearing loss in newborns, infants, toddlers, and young children, followed by immediate audiologic management and Auditory-Verbal therapy.

नवजात बच्चों, शिशुओं, बालकों और छोटे बच्चों में श्रवण की शक्ति की समस्या के शीघ्र निदान को बढ़ावा दें और इसके बाद सुनने से जुड़ा इलाज और श्रवण-मौखिक थेरपी (ऑडिटरी -वर्बल थेरपी) तुरंत शुरू करें ।

2. Recommend immediate assessment and use of appropriate, state-of-the-art hearing technology to obtain maximum benefits of auditory stimulation.

श्रवण उत्तेजना के अधिकतम फायदे उठाने के लिए तुरंत जांच और उचित, आधुनिकतम श्रवण उपकरणों का उपयोग करने की सलाह दें ।

3. Guide and coach parents to help their child use hearing as the primary sensory modality in developing spoken language without the use of sign language or emphasis on lipreading.

अभिभावकों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दें, कि वे अपने बच्चे को मौखिक भाषा सीखने में, बिना सांकेतिक भाषा या मुखवाचन (लिप-रीडिंग) पर ज़ोर दिए, श्रवण क्षमता को प्राथमिक ज्ञानेंद्रिय के रूप में, मदद करें। ।

4. Guide and coach parents to become the primary facilitators of their child's listening and spoken language development through active consistent participation in individualized Auditory-Verbal therapy.

अभिभावकों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दें, कि वे अपने बच्चे के सुनने और मौखिक भाषा के विकास में, और व्यक्तिगत ऑडिटरी-वर्बल थेरेपी में, लगातार सक्रिय सहभाग लेकर, प्राथमिक सुविधाकर्ता बनें।

5. Guide and coach parents to create environments that support listening for the acquisition of spoken language throughout the child's daily activities.

अभिभावकों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दें कि वे एक ऐसा माहौल निर्माण करें, जो अपने बच्चे के सुनने और मौखिक भाषा के विकास को दैनिक गतिविधियों के दौरान, समर्थित करें।

6. Guide and coach parents<sup>1</sup> to help their child integrate listening and spoken language into all aspects of the child's life.

अभिभावकों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दें, जिससे वे अपने बच्चे के श्रवण और मौखिक भाषा को जीवन के सभी पहलुओं में संपूर्णतः शामिल करने में मदद कर सकें।

7. Guide and coach parents<sup>1</sup> to use natural developmental patterns of audition, speech, language, cognition, and communication.

अभिभावकों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दें, कि वे श्रवण, वाचा, भाषा, सोच (कॉग्निशन) और संचार के प्राकृतिक विकास क्रम का उपयोग करें।

8. Guide and coach parents to help their child self-monitor spoken language through listening.

अभिभावकों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दें, जिससे उनके बच्चे अपनी बोली भाषा सुनने के जरिये स्वयं नियंत्रित करें।

9. Administer ongoing formal and informal diagnostic assessments to develop individualized Auditory-Verbal treatment plans, to monitor progress and to evaluate the effectiveness of the plans for the child and family.

नियमित रूप से औपचारिक और अनौपचारिक नैदानिक जाँचे करें, जिससे व्यक्तिगत श्रवण-मौखिक थेरेपी योजना बनाई जाएँ, प्रगति पर निगरानी रखा जाएँ और योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन हर बच्चे और उसके परिवार के लिए किया जाएँ।

10. Promote education in regular schools with peers who have typical hearing and with appropriate services from early childhood onwards.

शुरुआती उम्र से और उचित सेवाओं के साथ, सामान्य स्कूलों में, सामान्य सुननेवाले साथियों के साथ, शिक्षा को बढ़ावा दें।